



# सांध्य दैनिक उत्तरांचल दीप



सबके हाथ सच के साथ

## कश्मीर घाटी और हिमाचल में पहाड़ियों पर बर्फबारी से सड़कें बंद

**जम्मू-कश्मीर**  
एजेन्सी  
कश्मीर घाटी में भारी हिमपात से गुरेज-बांदीपोरा राजमार्ग समेत कई सड़कें बंद हो गईं, जिससे कई पर्यटक घंटों फंसे रहे। बर्फबारी के चलते हिमाचल में पांगी जाने वाला मार्ग बंद करना पड़ा। इसके चलते बड़ी संख्या में वाहन रास्ते में फंसे रहे और सैलानियों को वाहनों में ही रात गुजारनी पड़ी।  
जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में पहाड़ियों पर बारिश और बर्फबारी से लोगों को दुश्चरियां बढ़ गई हैं। कश्मीर घाटी में भारी हिमपात से गुरेज-बांदीपोरा राजमार्ग समेत कई सड़कें बंद हो गईं, जिससे कई



पर्यटक घंटों फंसे रहे। बर्फबारी के चलते हिमाचल में पांगी जाने वाला मार्ग बंद करना पड़ा। इसके चलते बड़ी संख्या में वाहन रास्ते में फंसे रहे और सैलानियों को वाहनों में ही रात गुजारनी पड़ी।  
जम्मू-कश्मीर में गुरेज-बांदीपोरा राजमार्ग खोलने के लिए सीमा सड़क संगठन की टीम बर्फ हटाने के लिए मशीनों के साथ जुटी रही। घंटों की

### चंबा में आधा फुट गिरी बर्फ

हिमाचल में रोहतांग सहित ऊंची चोटियों के बाद चंबा जिले के सचे जेत पर करीब आधा फुट बर्फ गिरी। इसके चलते पांगी मार्ग को बंद करना पड़ा। जिला मुख्यालय पहुंचने के लिए लोगों को

मशकत के बाद श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर यातायात बहाल हुआ। कश्मीर के शोपियां जिले को राजोरी व पुंछ से जोड़ने वाले मुगल रोड पर 19 घंटे बाद मंगलवार दोपहर दो बजे वाहनों की आवाजाही शुरू हो सकी। राजदान पास पर लगभग 4-5 इंच बर्फबारी हुई, जिससे सड़क की स्थिति बेहद खराब हो गई। यहां 20 वाहन फंस गए। बीआरओ की टीम ने मंगलवार सुबह पांच बजे तक सड़क को बहाल किया और वाहनों के साथ सभी यात्रियों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया। श्रीनगर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने 14-15 नवंबर को कश्मीर व जम्मू संभाग के कुछ हिस्सों में बारिश-बर्फबारी की आशंका जताई है।

### बुलडोजर एक्शन: 15 दिन पहले देना होगा नोटिस

नई दिल्ली। बुलडोजर एक्शन पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए शीप कोर्ट ने कहा कि कानून का शासन यह सुनिश्चित करता है कि लोगों को यह पता हो कि उनकी संपत्ति को बिना किसी उचित कारण के नहीं खीना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों के खिलाफ बुलडोजर एक्शन पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए बुधवार को कहा कि उसने संविधान में दिए गए उन अधिकारों को ध्यान में रखा है, जो राज्य की मनमानी कार्रवाई से लोगों को सुरक्षा प्रदान करते हैं। शीप कोर्ट ने कहा कि कानून का शासन यह सुनिश्चित करता है कि लोगों को यह पता हो कि उनकी संपत्ति को बिना किसी उचित कारण के नहीं खीना जा सकता।

## News कॉर्नर फंदे पर लटकता मिला नवविवाहिता जोड़े का शव

रानीखेत। रानीखेत के ताड़ीखेत ब्लॉक के खुशालकोट गांव में नवविवाहित दंपति संदिध हालत में फंदे से लटक मिले। घटना की सूचना मिलते ही राजस्व पुलिस मौके पर पहुंच गई। दोनों के शवों को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए उप जिला चिकित्सालय रानीखेत भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असल वजह का पता चल सकेगा। मंगलवार दोपहर खुशालकोट निवासी देवकी देवी घर लौटें और उन्होंने कमरे का दरवाजा बंद पाया। काफी देर तक आवाज लगाने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर उन्होंने दरवाजा खोला तो उनके होश उड़ गए। बेटा कमल सिंह नेगी (31) और उसकी पत्नी सरिता नेगी (24) फंदे पर लटकें थे। देवकी के शोर मचाने पर गांव वाले मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटना की जानकारी राजस्व उप निरीक्षक कुबेर सिंह मेहरा को दी। सूचना मिलने पर राजस्व पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए उप जिला चिकित्सालय रानीखेत भेजा। राजस्व पुलिस मामले की जांच कर रही है। यहां पर नायब तहसीलदार त्रियंका, राजस्व उपनिरीक्षक कुंदन लाल, कुबेर सिंह मेहरा, कुंदन कनवाल, प्रदीप बिजलवाण, कुमार सोनु, राजेंद्र जोशी आदि मौजूद रहे।

## कहा- इस एक योजना से सवा लाख करोड़ बचे

# पीएम मोदी ने बिहार को दूसरे एम्स की सौगात दी

**दरभंगा**  
एजेन्सी  
पीएम मोदी दरभंगा एम्स के शिलान्यास और भूमि पूजन के साथ दरभंगा बाइपास स्टेशन और झरखारपुर से लोकहा रेल लाइन के उद्घाटन करेंगे। इससे उत्तर बिहार के लोगों को काफी फायदा मिलेगा।  
पीएम मोदी ने कहा कि यह एनडीए सरकार ही है, जिसने मैथिली भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल किया था। झारखंड में मैथिली भाषा को दूसरे राजभाषा का दर्जा दिया। दरभंगा, सीतामढ़ी और अयोध्या स्ट पर अमृत भारत ट्रेन से काफ़ी मदद मिली है। आज में दरभंगा महाराज कामेश्वर सिंह को भी योगदान रहा है। आजादी से पहले देश के विकास में काफ़ी योगदान रहा है। मेरे संसदीय क्षेत्री काशी के विकास में भी उनका काफ़ी योगदान रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि मैं एक बार फिर दरभंगा एम्स और अन्य विकास योजनाओं के लिए आप सभी को बधाई देता हूँ। यह कहते हुए पीएम ने अपना संबोधन खत्म किया।  
पीएम मोदी ने कहा कि आजादी के 60 सालों तक देश में एक ही एम्स था। देशवासियों को दूर दराज से दिल्ली आना पड़ता था। काफ़ी परेशानी का सामना करना पड़ता था। हमारी सरकार ने नए एम्स बनाए। आज देश में दो दर्जन एम्स हैं। मेडिकल कॉलेज और



अस्पतालों की संख्या बढ़ी है। डॉक्टरों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। पहले डॉक्टर बनना ही तो अप्रैजि माध्यम जरूरी था। अब डॉक्टर पढ़ना है या इंजीनियरिंग पढ़ना है तो वह अपनी मातृभाषा में पढ़कर अपनी पढ़ाई पूरी कर सकते हैं। यह भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर को सच्ची श्रद्धांजलि है। हमारी सरकार ने एक और बड़ा निर्णय लिया, इससे युवाओं को काफ़ी फायदा होगा। देश में हिन्दी या अन्य भाषाओं में भी मेडिकल की पढ़ाई होगी। यानी अब दलित, गरीब और आदिवासी भी आसानी से डॉक्टर बन पाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि मुजफ्फरपुर में कैंसर का बड़ा अस्पताल बन रहा है। इससे एक ही छत के नीचे सभी तरह के कैंसर का इलाज होगा। जल्दी ही आंखों का अस्पताल भी बिहार में बन रहा।  
पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना से लाखों गरीबों का इलाज हो रहा है। अगर यह नहीं होता तो गरीब अस्पताल ही नहीं जाते हैं। अब सरकारी के साथ प्राइवेट अस्पतालों में भी इलाज हो रहा है। सवा लाख करोड़ रुपये गरीबों के बचे हैं। एक योजना से देश के गरीबों के सवा लाख करोड़ रुपये बचे हैं। अब तो 70 साल के ऊपर के बुजुर्गों को भी आयुष्मान योजना के दायरे में लाया जा रहा है। बिहार में भी 70 साल के ऊपर के बुजुर्गों के लिए मुफ्त इलाज की सुविधा शुरू हो गई है। बहुत जल्द सभी बुजुर्गों के पास आयुष्मान वय वंदन योजना का कार्ड होगा। पीएम मोदी ने कहा कि दरभंगा में एम्स का सपना साकार होने की तरफ एक बड़ा कदम उठाया है। दरभंगा एम्स से बिहार, बंगाल और नेपाल के लोगों को फायदा मिलेगा। एम्स से रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बनेंगे। मैं दरभंगा और पूरे मिथिला को इन विकास कार्यों के लिए बधाई देता हूँ। हमारे देश में सबसे बड़ी आबादी गरीब और मध्यम बर्ग के लोगों के लिए है। बीमारी भी सबसे अधिक इन्हीं लोगों को प्रभावित करती है। हम सब इसी पृष्ठभूमि से आते हैं। घर में कोई बीमार पड़ता है तो कैसे पूरा परिवार संकट में आ जाता है? हम इसे समझते हैं। पहले के दौर में अस्पताल भी कम थे। डॉक्टर कम थे।

दवाइयां कम थीं। सरकारें सिर्फ वादों और दावों में उलझी रहती थी। यहां बिहार में जब तक शशीला कुमार सरकार में नहीं आए थे तब तक गरीबों की चिंता को लेकर कोई गंभीरता नहीं थी। गरीबों के पास बीमारी को सहने के अलावा कोई चारा नहीं था। हमारा देश कैसे आगे बढ़े? इसके लिए हमारी सरकार ने सोच और एप्रोच बदला। हमारा पहला फोकस बीमारी से बचाव पर है। दूसरा फोकस बीमारी के इलाज पर है। तीसरा फोकस सस्ता इलाज और दवाई। चौथा फोकस छोटे शहरों में इलाज की सुविधा देना और पांचवां फोकस टेक्नोलॉजी के जरिए इलाज की व्यवस्था करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मैथिली भाषा में मिथिलांचल वास्तियों को नमन किया। उनका अभिनंदन किया। कहा कि आज झारखंड में मतदान हो रहा है। झारखंड के लोगों से अपील करेंगे कि आज ज्यादा से ज्यादा संख्या में वोट करें। मैं मिथिला की बेटी स्वर कोकिला स्व. शारदा सिन्हा को नमन करता हूँ। मैथिली और भोजपुरी संगीत में उनका योगदान अतुलनीय है।  
छठ महावर्ष पर उनके गीत देश दुनिया में बजते हैं। हम विकास भारत की तरफ तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। हमारी पीढ़ी सौभाग्यशाली है कि हम इसके साक्षी बन रहे हैं और देश के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं।

## विस अध्यक्ष यूथ कांग्रेस की कार्यकारिणी का विस्तार, कार्यकर्ताओं को किया मनीत

**नैनीताल**  
हमारे संवाददाता  
विधानसभा सभा अध्यक्ष यूथ कांग्रेस अमन महेंद्र द्वारा विधानसभा कार्यकारिणी में विस्तार करते हुए बुधवार को कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण पदों पर मनीत किया है।  
जिसमें सचिव हर्षित मिश्रा, निखिल कुमार,कमलेश कुमार,अमन

सागर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिव्यांशु आर्या, भगवत सिंह नेगी,महामंत्री पियूष हेडिया, परिभाषा हिमांशु कुमार, हुमान अहमद, रोहन साही, मनोज नेगी, ताहिर हुसैन, संयुक्त सचिव मयूर जोशी, संयुक्त सचिव अतुल कुमार को पद दिया है। विधानसभा अध्यक्ष अमन महेंद्र ने कहा कि सभी कार्यकर्ता संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा से कार्य करते रहेंगे व संगठन को मजबूत बनायेंगे।



## दिल्ली में विजिबिलिटी डाउन तो हिंडन पर शून्य

**नई दिल्ली**  
एजेन्सी  
राजधानी दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत में आज सीजन का पहला कोहरा दिखने को मिला। पूरे उत्तर भारत में घने कोहरे के साथ प्रदूषण की धुंध भी नजर आई। जिसकी वजह से यातायात प्रभावित हुआ है। सड़क मार्ग से लेकर हवाई मार्ग पर भी इसका असर पड़ा है।  
राजधानी दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के शहरों में बुधवार सुबह सीजन का पहला कोहरा देखा गया है। जिससे दृश्यता पर काफी असर पड़ा। दिल्ली में कोहरे के साथ प्रदूषण की वजह से एक पलती परत दिखी। जिससे दृश्यता 100 मीटर तक पहुंच गई है। सड़क मार्ग से लेकर हवाई मार्ग पर भी इसका असर पड़ा है। उत्तर



भारत में कोहरे के साथ धुंध की जुगलबंदी देखने को मिल रही है। दिल्ली के पालम हवाई अड्डे पर दृश्यता बीती शाम सात बजे 900 मीटर से घटकर रात साढ़े 11 बजे 300 मीटर रह गई। वहीं दूसरी तरफ अन्य राज्य में भी दृश्यता पर असर पड़ा। विभिन्न हवाई अड्डों पर दृश्यता 1000 मीटर से नीचे दर्ज हुई। राजधानी में

गुणवत्ता लगातार खराब होने के कारण शहर पर धुंध की मोटी परत छाई हुई है। ग्रेटर नोएडा में भी ऐसा ही नजारा देखने को मिला। मंगलवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एनयूआई) 334 दर्ज किया गया, जोकि बेहद खराब श्रेणी में है। इसमें सोमवार को तुलना में 18 सूचकांक की गिरावट दर्ज की गई। दिन भर स्मॉग की चादर छाई रही। इससे लोगों को आंखों में जलन व सांस लेने में परेशानी हुई महसूस की। वहीं, सुबह स्मॉग और धुंध की वजह से दृश्यता में गिरावट दर्ज की गई। सफ़दरजंजा एयरपोर्ट में सुबह 7:30 बजे दृश्यता 1000 मीटर रिकार्ड की गई। साथ ही, पालम में सुबह आठ बजे दृश्यता 1000 मीटर रही। इससे वाहन चालकों को दूर तक साफ-साफ देखने में परेशानी हुई।



# अभिमत



## नफरत की आग

सनातन संगठनों ने प्रशासन से शिकायत की तो अधिकारियों ने बताया कि धार्मिक स्थल सरकारी जमीन पर नहीं बना है। अधिकारियों की रिपोर्ट से सनातन धर्मावलंबी संतुष्ट नहीं हुए और धर्मस्थल को ध्वस्त करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रैली निकाली। प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर दिया। रैली के आयोजकों का कहना है कि प्रशासन ने कथित तौर पर बनाये गये धर्मस्थल को ध्वस्त नहीं किया और सनातन धर्मावलंबियों को उसी क्षेत्र में देवता की पूजा करने से रोक दिया। एक तरफ देवता की पूजा से रोकना जा रहा है और दूसरी तरफ नम्राज की अनुमति है।

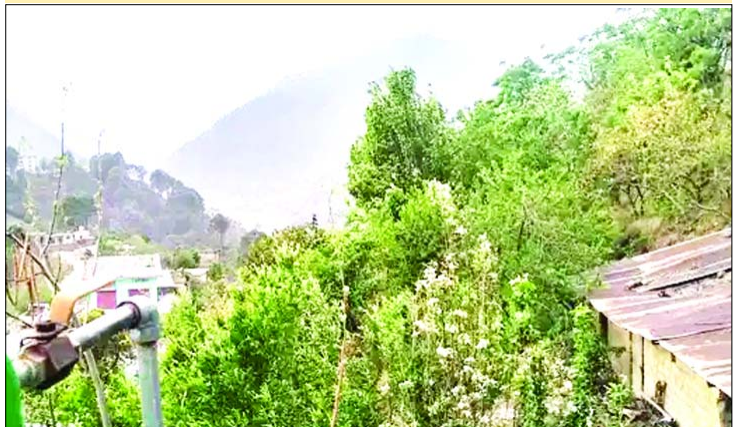
उत्तराखंड में साम्प्रदायिक हिंसा भड़काने की साजिश लम्बे अर्से से की जा रही है। लव और लैंड जिहाद, धर्मांतरण को समुदाय विशेष ने हथकंडा बनाया है। उत्तरकाशी में धार्मिक स्थल को लेकर हिंसा भड़की है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पहले मकान बनाया गया और कुछ दिनों बाद उसे धार्मिक स्थल में परिवर्तित कर आसपास की जमीन पर विस्तार किया जा रहा है। सनातन संगठनों ने प्रशासन से शिकायत की तो अधिकारियों ने बताया कि धार्मिक स्थल सरकारी जमीन पर नहीं बना है। अधिकारियों की रिपोर्ट से सनातन धर्मावलंबी संतुष्ट नहीं हुए और धर्मस्थल को ध्वस्त करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रैली निकाली। प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर दिया। रैली के आयोजकों का कहना है कि प्रशासन ने कथित तौर पर बनाये गये धर्मस्थल को ध्वस्त नहीं किया और सनातन धर्मावलंबियों को उसी क्षेत्र में देवता की पूजा करने से रोक दिया। एक तरफ देवता की पूजा से रोकना जा रहा है और दूसरी तरफ नम्राज की अनुमति है। इसी तरह बहराइच में मां दुर्गा की मूर्ति के विसर्जन की शोभा यात्रा जब मस्जिद के सामने से निकल रही थी तो समुदाय विशेष के लोगों ने जय श्रीराम का उदघोष किया। जय श्रीराम सुनते ही पहले से हिंसा की साजिश रचे बैठे दंगाइयों ने दो सनातनियों को धर्मस्थल में ले जाकर गोलियों से भून डाला। इसके बाद साम्प्रदायिक हिंसा भड़ उठी। बहराइच की घटना के बाद सनातन धर्मावलंबियों का कहना है कि जब पांच वक्त लाउडस्पीकर पर नम्राज होती है और उसकी आवाज मंदिरों तथा सनातनियों के घरों में जाती है, तब कोई एतराज नहीं करता है। सनातन धर्मावलंबियों के मंदिरों में सुबह शाम दो बार आरती होती है। आरती और घंटी की आवाज मंदिर परिसर तक ही सीमित रहती है। उत्तरकाशी की घटना से राज्य सरकार और प्रशासन को सतर्क होने की जरूरत है। हिमालय की शांत वादियों में बहुसंख्यक सनातन धर्मावलंबी हैं। उत्तराखंड में ब्रिटिश शासनकाल से ही कानून व्यवस्था की स्थिति संतोषजनक रही है। पर्वतीय क्षेत्र के घरों में लोग ताला नहीं लगाते थे। चोरी और अन्य अपराध नहीं थे। पुलिस चौकी और थाने नहीं थे। राज्य विभाग के पटवारी कानून व्यवस्था संभालते थे। अब समुदाय विशेष के लोग तराई के जंगल से लेकर सुदूर पर्वतीय क्षेत्र में लैंड जिहाद के तहत जमीन पर कब्जा करके मकान व दुकान के साथ धर्मस्थल बनाते जा रहे हैं। राज्य सरकार भविष्य के खतरों से बेखबर है। राज्य में बाहरी व्यक्तियों द्वारा जमीन की खरीद-फरोखत पर रोक की मांग उठ रही है। कुछ क्षेत्रों में सत्यापन भी हो रहा है। सरकारी जमीन पर बने धर्मस्थलों को ध्वस्त करने की कार्रवाई में तेजी लाने की जरूरत है।

# उत्तराखंड में साल बाद चढ़ा नवंबर का पारा

देहरादून

17 नवंबर के बाद प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश होने के आसार

हमारे संवाददाता प्रदेश में मानसून विदाई के बाद बारिश न होने और पश्चिमी हवाओं के चलने से तापमान में इजाफा दर्ज किया जा रहा है। उत्तराखंड में मंगलवार को छह साल बाद एक बार फिर नवंबर का पारा चढ़ा तो दिन के साथ रात के तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। उत्तराखंड में मौसम के बदले पैटर्न का असर इस साल की सर्दियों पर भी देखने को मिल रहा है। मानसून विदाई के बाद बारिश न होने और पश्चिमी हवाओं के चलने से तापमान में इजाफा दर्ज किया जा रहा है। उत्तराखंड में मंगलवार को छह साल बाद एक बार फिर नवंबर का पारा चढ़ा तो दिन के साथ रात के तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। आंकड़ों पर नजर डालते तो दूरा का अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री इजाफे के साथ 28.2 डिग्री रिकर्ड किया गया जबकि रात का न्यूनतम तापमान भी तीन डिग्री बढ़ोतरी के साथ 14.8 डिग्री पर रहा। इससे पहले इस दिन साल 2018 में अधिकतम तापमान 28 डिग्री



रहा था। तापमान में इस तरह की बढ़ोतरी लगभग प्रदेश के सभी जिलों में देखने को मिली। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि पोस्ट मानसून की बारिश न होने के चलते सामान्य तापमान में इजाफा दर्ज किया जा रहा है। यही वजह है कि मैदानी इलाकों में सुबह-शाम धुंध परेशान कर रही है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार 16 नवंबर तक प्रदेश भर में मौसम शुष्क रहेगा। केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया, 17 नवंबर के बाद प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश होने के आसार हैं। इस बारिश का असर पूरे प्रदेश के तापमान पर देखने को मिलेगा। साथ धुंध से भी राहत मिलेगी।

## जन समस्याओं को किया जा रहा अनदेखा: सुमित हृदयेश

हल्द्वानी। विधायक सुमित हृदयेश ने



केदारनाथ विधानसभा में होने वाले उप चुनाव को लेकर कांग्रेस प्रत्याशी मनेज रावत के समर्थन में कई क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान और नुकड़ सभा कर प्रचार प्रसार किया। विधायक हृदयेश ने ग्राम दूरांधार, बौरा गांव, जागतोली समेत विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर स्थानीय लोगों से मुलाकात की और उन्हें कांग्रेस की नीतियों और विकास योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही एकमात्र पार्टी है जो क्षेत्र के समग्र विकास और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे मनेज रावत को भारी मतों से विजय दिलाकर क्षेत्र के विकास की दिशा में कदम बढ़ाएं। विधायक सुमित हृदयेश के साथ उप नेता प्रतिपक्ष भुवन पाण्डे, बद्रीनाथ विधायक लखपत सिंह बुटोला सहित बड़ी संख्या में स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित रहे जिन्होंने इस जनसंपर्क अभियान को सफल बनाने में योगदान दिया।

## ग्राफिक एरा में बांडी बिल्डिंग प्रतियोगिता का प्रदर्शन

भीमताल

हमारे संवाददाता ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी परिसर में यूकेबीबीए द्वारा आयोजित उत्तराखण्ड औपन सीनियर स्टेड बांडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप-2024 में पूरे राज्य से आए प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिसमें 35 से अधिक प्रतियोगियों ने भाग लिया जो अपने उत्कृष्ट शारीरिक बल और सुसंगठित फिटनेस का प्रदर्शन करने के लिए एकत्रित हुए थे। यह प्रतियोगिता उत्तराखण्ड के बांडी बिल्डिंग समुदाय में एक महत्वपूर्ण आयोजन माना जाता है जिसमें बांडी बिल्डिंग के विभिन्न श्रेणियों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने अपनी छाप छोड़ी। इस दौरान चैंपियनशिप में हल्द्वानी के सुखबिन्दर सिंह ने नैनीताल और कुमाऊं के खिलाब पर कब्जा किया, जो उनके उत्कृष्ट फिटनेस और लगन का प्रमाण है। इसी तरह के मेन्सफिजिक श्रेणी में ऊधमसिंह नगर के प्रतिभागी तालिब अली ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर मेन्सफिजिक का खिताब जीता। उत्तराखण्ड की प्रतिष्ठित श्रेणी में नैनीताल के जगदीश पाण्डे ने अपने बेहतरीन कौशल के आधार पर



प्रथम स्थान प्राप्त किया। उदित यादव ने अपने दमदार प्रदर्शन से दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि हल्द्वानी के सुखबिन्दर सिंह ने तीसरे स्थान पर अपनी जगह बनाई। इस अवसर पर ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के निदेशक मुख्य अतिथि प्रो. अनिल कुमार नायर कर्नल सेवानिवृत्त रहे। नायर ने सभी विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए और अपने संबोधन में युवाओं को शारीरिक फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रतिभागियों का सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं और उन्हें अनुशासन, दृढ़ता और मेहनत का महत्व सिखाते हैं। यह प्रतियोगिता बांडी बिल्डिंग एवं फिटनेस एसोसिएशन यूकेबीबीएफए के तत्वावधान में संपन्न हुई। यूकेबीबीए के जनरल सेक्रेटरी मुकेश पाल, अध्यक्ष रमेश शर्मा, सचिव जनरल चेतन ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के आयोजन उत्तराखण्ड में बांडी बिल्डिंग और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। यह चैंपियनशिप युवा पीढ़ी में स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी और इस आयोजन ने राज्य के बांडी बिल्डिंग क्षेत्र में एक नई ऊर्जा का संचार किया।

# फिल्मी दुनिया

## बॉक्स ऑफिस जमकर नोट छाप रही भूल भुलैया 3



भूल-भुलैया 3 आने वाले दिनों में अच्छी कमाई कर सकती है। वहीं, सिंघम अगेन की हालत पस्त होती दिखाई दे रही है। आइए जानते हैं कि मंगलवार को फिल्मों का कैसा कलेक्शन रहा है। दिवाली 2024 में रिलीज होने वाली सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 पहले ही सुपरहिट साबित हो चुकी है, लेकिन मास को एकसाथ फिल्म सिंघम अगेन औसत दर्जे पर खत्म होती दिख रही है। भूल-भुलैया 3 आने वाले दिनों में अच्छी कमाई कर सकती है। वहीं, सिंघम अगेन की हालत पस्त होती दिखाई दे रही है। आइए जानते हैं कि मंगलवार को फिल्मों का कैसा कलेक्शन रहा है। कार्टिक आर्यन की % भूल भुलैया 3 % ने बॉक्स ऑफिस पर अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखा। अपने दूसरे सप्ताह में 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली फिल्म ने मंगलवार को 208.25 करोड़ रुपये का अनुमानित कुल कलेक्शन करके अपना रिकॉर्ड बढ़ाया। 12वें दिन फिल्म ने दो करोड़ 96 लाख रुपये बटोरे हैं, इसके साथ ही फिल्म का कुल कमाई 206.96 करोड़ हो गई है। हालांकि, फिल्म रोजाना अच्छी कमाई कर रही है, लेकिन यह अभी भी रोहित शेट्टी की % सिंघम अगेन % से पीछे है, जो 214.50 करोड़ रुपये की कुल कमाई के साथ सबसे आगे है। बजट को देखते हुए भूल भुलैया 3 धीरे-धीरे ब्लॉकबस्टर की तरफ बढ़ रही है। वहीं, सिंघम अगेन जल्द ही खुद पर फ्लॉप का टैग लगाने वाली है। रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित, सिंघम अगेन में अजय देवगन मुख्य भूमिका में हैं और उनके साथ कई अन्य कलाकार हैं, जिन्होंने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। अपने पहले सप्ताह में 158.75 करोड़ रुपये की दमदार कमाई करने के बाद, सिंघम अगेन ने अपने दूसरे सप्ताह में 34.25 करोड़ रुपये की कमाई की और भारत में कुल 193 करोड़ रुपये की कमाई की।

## फ्लॉप होने की कगार पर पहुंची फिल्म

दूसरे वीकेंड के बाद, इस पुलिस ड्रामा की कमाई में लगातार गिरावट देखी जा रही है। उदाहरण के लिए, दूसरे मंगलवार को पिछले दिन के मुकाबले इसकी कमाई में 14वें की गिरावट देखी गई और इसने 3.5 करोड़ रुपये और कमाए। सिंघम अगेन में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 12 दिनों में 213.33 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। फ्लॉप होने की कगार पर पहुंची फिल्म दूसरे वीकेंड के बाद, इस पुलिस ड्रामा की कमाई में लगातार गिरावट देखी जा रही है। उदाहरण के लिए, दूसरे मंगलवार को पिछले दिन के मुकाबले इसकी कमाई में 14वें की गिरावट देखी गई और इसने 3.5 करोड़ रुपये और कमाए।

# घर में घुसकर मारने पर कार्रवाई की मांग

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता पति-पत्नी को घर में घुसकर मारने का मामला प्रकाश में आया है। पंडित महिला ने दबंगों के खिलाफ बनभूलपुरा थाना पुलिस को तहरीर सौंप कर कार्रवाई की मांग की है। सौंपी तहरीर में इंदिरा नगर अली मस्जिद के पास रहने वाली राबिया पत्नी बबलू ने कहा है जो 11 नवंबर की रात करीब 9:30 बजे उसका पति बबलू अपने घर में था इतने ही देर में इंदिरा नगर में रहने वाला साहिल, कमाल, शाहू पुत्रगण खान एवं उसका साथी मुजफ्फर उसके घर में आ धमके के जिनके हाथों में लोहे की रॉड, साइकिल की चैन से मेरे पति से मारपीट करना शुरू कर दी जय में बचाने का प्रयास किया तो हथियारबंद लोगों ने मेरे साथ भी मारपीट की। इस मारपीट में मेरे पति बबलू गंभीर रूप से घायल हो गया

## दबंगई

● पुलिस ने किया सभी दबंग के खिलाफ मुकदमा दर्ज

जिनको उपचार के लिए बीच चिकित्सालय ले जाया गया इतना ही नहीं दबंगों ने इस बीच बचाव में मेरे साथ भी मारपीट की और गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुए घर से भाग गए। पति बबलू ने पुलिस से बाहर लायाई है कि दबंग के खिलाफ कई कार्रवाई अमल में लाई जाए। पुलिस ने सभी दबंग के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है थाना प्रभारी नीरज भाकुनी का कहना है कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी किसी भी हाल में अराजकता फैलाने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा।

